



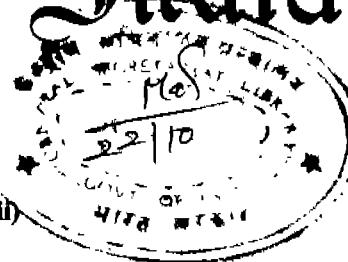
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं 335]
No. 335]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 27, 1998/ ज्येष्ठ 6, 1920
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 27, 1998/JYAISTHA 6, 1920

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर खोड़

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मई, 1998

आय-कर

का. आ. 468 (अ).—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 डक की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर खोड़ द्वारा निम्नलिखित को विनिर्दिष्ट करता है :—

- (क) भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत एक सार्वजनिक कम्पनी मैसर्स रिलायन्स टेलीकाम लिंग जिसका पंजीकृत कार्यालय अब्देश हाऊस, तीसरी मंजिल, प्रीतम नगर, फस्ट स्लोप, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006 में है, द्वारा राजकीय गजट में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर जारी की जाने वाली इकिवटी जो 1524.3 करोड़ रुपये से अधिक राशि की नहीं होगी; और
- (ख) भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत सार्वजनिक कम्पनी मैसर्स रिलायन्स टेलीकॉम लिंग जिसका पंजीकृत कार्यालय अब्देश हाऊस, तीसरी मंजिल, प्रीतम नगर, फस्ट स्लोप, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006 में होगा, द्वारा राजकीय गजट में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर जारी किये जाने वाली ऋणपत्रों जो 762.2 करोड़ रुपये से अधिक राशि की नहीं होंगे;

अशर्ते कि उपर्युक्त इकिवटी और ऋणपत्र में निवेश, कर-निर्धारिती द्वारा उसकी आय से किया जाता है जो दीर्घकालीन पूँजीगत परिसम्पत्ति के अंतरण से उद्भूत होने वाले "पूँजीगत अभिलाभों" शीर्ष के अन्तर्गत कर प्रभार्य हों :

अशर्ते कि यह भी यदि कर निर्धारिती उसको आवंटित किये गये उपर्युक्त इकिवटी और ऋणपत्रों को किसी भी रूप में उनके आवंटन की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के भीतर अंतरण करता है तो उपर्युक्त इकिवटी और ऋणपत्रों में ऐसे कर-निर्धारिती द्वारा किया गया प्रारंभिक निवेश, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 डक की उपधारा (2) के प्रावधानों के अनुसार "पूँजीगत अभिलाभों" शीर्ष के अन्तर्गत कर प्रभार्य होगा।

[अधिसूचना सं. 10621/फा. सं. 178/149/97-आयकर नि.-I]

प्रोमिला भारद्वाज, उप सचिव

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)**
NOTIFICATION
New Delhi, the 27th May 1998
(INCOME-TAX)

S.O. 468(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 54EA of the Income-tax Act, 1961 the Central Board of Direct Taxes hereby specifies:

- (a) equity to be issued within a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette, of an amount not exceeding Rs. 1524.3 crores by M/s. Reliance Telecom Ltd., a Public Company registered under the Indian Companies Act, 1956 and having its registered office at Avdesh House, 3rd Floor, Pritam Nagar, 1st Slope, Ellis bridge, Ahmedabad-380 006; and
- (b) debentures to be issued within a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette of an amount not exceeding Rs. 762.2 crores by M/s. Reliance Telecom Ltd., a public company registered under the Indian Companies Act, 1956 and having its registered Office at Avdesh House, 3rd Floor, Pritam Nagar, 1st Slope, Ellis bridge, Ahmedabad-380 006;

Provided that the investment in the aforesaid equity and debentures is made by an assessee out of his income chargeable to tax under the head “Capital Gains” arising out of transfer of long-term capital asset:

Provided further that in case the assessee transfers aforesaid equity and debentures allotted to him in any manner within a period of three years from the date of their allotment the initial investment made by such assessee in the aforesaid equity and debentures shall be chargeable to tax under the head “Capital Gains” in accordance with the provisions of sub-section (2) of section 54EA of the Income-tax Act, 1961.

[Notification No.10621/F.No.178/149/97-ITA-I]

PROMILA BHARDWAJ, Dy. Secy.